खंड 3 • अंक 1 • जनवरी–मार्च 2013
Volume 3 • Issue No. 1 • January-March 2013
तिमाही द्विभाषी गृह पत्रिका
Quarterly Bilingual House Journal

अशोकनामा
Ashoknaama

भारत पर्यटन विकास निगम लि.
India Tourism Development Corporation Ltd.

New Team @ ITDC

Shri Girish Shankar, IAS
Additional Secretary, Ministry of Tourism, Government of India
He is 1982-batch Indian Administrative Service (IAS) Officer of Bihar cadre.
Recently, he has also assumed charge of **Managing Director**, India Tourism Development Corporation Ltd (ITDC).

Shri Ram Bilash Meena
Chief Vigilance Officer

Shri Ram Bilash Meena has joined India Tourism Development Corporation Ltd. (ITDC) on deputation as Chief Vigilance Officer in November 2012. An Indian Revenue Service (IRS) officer of 1990 batch, Shri Meena has served in Income Tax Department in different capacities. He rendered his valuable services on deputation to the Property Tax Department of Municipal Corporation of Delhi in various capacities.

Shri Trinath Behera
Director (Finance)

Shri Trinath Behera has joined as Director (Finance), India Tourism Development Corporation Ltd. (ITDC) on 26 April, 2013. He is a post graduate in Commerce with Law degree. He is a fellow member of Cost Accountants of India and also an associate member of Indian Institute of Bankers. Earlier, he was working as General Manager in Indian Railway Finance Corporation Ltd (IRFC). He has more than thirty years of experience in banking and corporate finance. He has exposure in big ticket borrowings in domestic and international market apart from maintaining a sound financial management in IRFC.

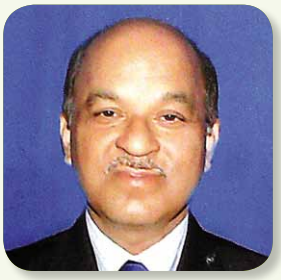

Cmde (Retd) R.K. Okhandiar, VSM
Director (Commercial & Marketing)

Cmde (Retd) R.K. Okhandiar, VSM joined India Tourism Development Corporation Ltd. (ITDC) as Director (Commercial & Marketing) on 10 July, 2012 after taking premature retirement from Indian Navy.

He served Indian Navy in the Executive Branch since 1 July, 1979 and has been a Gunnery & Missile specialist. He has commanded four warships and held several key appointments in the Navy including Principal Director of Staff Requirements at Naval HQ. He was President of 33 Services Selection Board at Bhopal before leaving Indian Navy.

चेयरमैन व प्रबंध निदेशक की कलम से
From the C&MD's desk

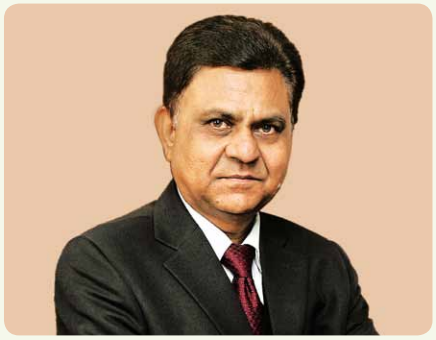

हम तो जाते अपने गांव.....

आईटीडीसी/अशोकन परिवार के सभी साथियों, नमस्कार।

तीन वर्ष का स्नेहिल समय आपके साथ कैसे बीत गया, सपना सा लगता है।

➤ मुझे याद है 21 अप्रैल, 2010 का वह दिन, जब मैं आईटीडीसी के साथ सीएंडएमडी के रूप में जुड़ा था। हमारा यह सफर अनेक गम्भीर चुनौतियों से भरा था:

➢ राष्ट्रमंडल खेल, नई दिल्ली के लिए निगम को अनेक बड़ी जिम्मेवारियां सौंपी गई थीं, जिनको मानसून के दौरान समय पर पूरा करने का भारी दबाव निगम के ऊपर था।

➢ खेलगांव के 1158 फलैटों की साज-सज्जा का दुरूह कार्य हाथ में था।

➢ निगम के अशोक, सम्राट एवं जनपथ होटलों को फैमिली होटल की भूमिका के लिए तैयार होना था।

➢ वसंत कुंज में 800 डीडीए फ्लैटों को मानसून के कठिन मौसम में समय पर पूरा किया जाना था।

➢ पिछले काफी समय से निगम घाटे में था।

➢ निगम के कर्मचारियों का वेज रिवीज़न काफी समय से रुका पड़ा था।

➢ सरकार के छठे वेतन आयोग की सिफारिशें निगम में लागू की जानी थीं।

➢ काफी लम्बे समय से कर्मचारियों की डीपीसी लम्बित थी और उनके बीच निराशा व्याप्त थी।

➢ 18 होटलों के डिसइंवेस्टमेंट और महत्वपूर्ण ड्यूटी फ्री ट्रेड हाथ से निकल जाने से निगम की ब्राण्ड छवि को भारी नुकसान हुआ था और कर्मचारियों के मन में असुरक्षा की भावना बैठ गई थी।

➢ **एकजुट प्रयास, सफल शुरूआत :** ऐसे दबावों एवं निराशापूर्ण माहौल में निगम ने मेरे साथ एकजुट होकर इस कठिन एवं दुरूह कार्य को समय पर पूरा करने का बीड़ा उठाया। आईटीडीसी के सभी स्तर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की प्रतिबद्धता और कड़ी मेहनत ने अपना रंग दिखाया और समग्र कार्य न केवल निर्धारित समय में पूरा हुआ, वरन् देशी-विदेशी मेहमानों एवं पर्यटन मंत्रालय से खूब प्रशंसा भी मिली।

➢ हमने अपने शेष कार्यकलापों को समेकित किया और विविध सेवा उन्मुख व्यावसायिक कार्यकलाप शुरू करके स्वयं को पुनःसंरचित किया और निगम में नवचेतना का संचरण हुआ।

➢ **घाटे से मुनाफे की ओर :** आईटीडीसी परिवार में नई चुनौतियों से निपटने के लिए नया जोश पैदा हुआ और उनके समवेत कठिन परिश्रम और प्रतिबद्धता से निगम ने धीरे-धीरे न केवल अपनी पुरानी छवि प्राप्त करने, वरन् लाभ कमाने की ओर भी कदम बढ़ाने आरंभ किए।

➢ **वेज रिवीज़न** किया गया और कर्मचारियों को 250 पीएसयू में सबसे अच्छा पैकेज दिलवाया गया।

As Ashoknaama goes to press Dr. Lalit K. Panwar, C&MD, ITDC moves as Secretary to the Ministry of Minority Affairs, Government of India. We wish him success in the new endeavour.

➢ निगम-कर्मियों को वर्ष 2010-11 और 2011-12 के दौरान वेज रिवीज़न, एरीयर्स और छठे वेतन आयोग की सिफारिशों के रूप में 70 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया।

➢ **300 पदोन्नतियां:** हमने अपनी जन-शक्ति को उपयुक्त महत्व दिया है और अपनी जन-शक्ति को युक्तिसंगत बनाने के लिए 300 से अधिक कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ दिया और सीडीए वेतनमान के स्थान पर आईडीए वेतनमान लागू किया।

➢ **120 विदेश-दौरे:** हमने अपने कर्मचारियों की कार्यकुशलता बढ़ाने और विश्व पटल पर आईटीडीसी की मौजूदगी बनाए रखने के लिए विभिन्न स्तरों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विदेशों में लगभग 120 सरकारी दौरों पर प्रोत्साहन के रूप में भेजा।

➤ **राष्ट्रीय पुरस्कार :** निगम ने अपनी पुरानी छवि को पुनः प्राप्त किया है और सर्वोच्च राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कार हासिल किए हैं:

➢ दि अशोक, नई दिल्ली को पर्यटन मंत्रालय द्वारा वर्ष 2009-10 के लिए ''सर्वश्रेष्ठ सम्मेलन केन्द्र का राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कार, 2010'' दिया गया।

➢ आईटीडीसी के अग्रणी होटल दि अशोक को ''बेस्ट होटल बेस्ड मीटिंग वेन्यू का राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कार, 2012'' प्राप्त हुआ है।

➢ आईटीडीसी के कॉरपोरेट एग्जीक्यूटिव शेफ श्री सिरीश सक्सेना को ''बेस्ट शेफ (4-5 स्टार डीलक्स, हैरिटेज ग्रांड एवं क्लासिक होटल)'' पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

➤ **अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार :** हमारी उपलब्धियों को अब देश ही नहीं विदेशों में भी सराहा जा रहा है। हाल ही में आईटीबी, बर्लिन द्वारा आयोजित विश्व के सबसे बड़े ट्रैवल मार्ट में निगम के अशोक होटल समूह को ''आईटीडीसी - बेस्ट होटल चेन फॉर वेल्यू फॉर मनी'' नामक अंतरराष्ट्रीय पटवा (Pacific Area Travel Writers Association) अवार्ड से सम्मानित किया गया है, जिसे मैंने आपकी ओर से प्राप्त किया। इससे आईटीडीसी को विश्व पटल पर व्यापक प्रतिष्ठा प्राप्त हुई।

➤ **श्रेय :** आईटीडीसी को ये सम्मान आपके सहयोग एवं कठिन परिश्रम के बिना मिलने संभव नहीं थे।

➢ **नई पहल:**

➢ **पुरस्कारों से सम्मान :** अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों के अलावा यह पहला अवसर है कि एक ही वर्ष 2012-13 के दौरान ही आईटीडीसी को एक अंतरराष्ट्रीय और दो राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।

➢ **हुनर से रोज़गार:** पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार की महत्वाकांक्षी एवं जनकल्याणकारी ''हुनर से रोज़गार'' योजना के कार्यान्वयन में आईटीडीसी निरंतर सफलता की सीढ़ियां चढ़ रही है। वर्ष 2012-13 के लिए 5000 युवाओं को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य तो हम दिसम्बर 2012 को ही पूरा कर चुके हैं और हमने पर्यटन मंत्रालय से अनुरोध किया है कि लक्ष्य बढ़ाकर 10,000 कर दिया जाए।

➢ **स्वच्छ भारत अभियान:** माननीय पर्यटन मंत्री महोदय द्वारा प्रारंभ किए गए ''स्वच्छ भारत अभियान'' के अंतर्गत आईटीडीसी को इसके कार्यान्वयन से संबंधित कार्य सौंपा गया। दूरदर्शन पर इसका सीधा प्रसारण हुआ और एक घंटे का कार्यक्रम प्रसारित किया गया।

➢ **अग्रगामी कुतुब परियोजना:** पर्यटन मंत्रालय

के इस ''स्वच्छ भारत अभियान'' के अंतर्गत आईटीडीसी द्वारा कुतुब मीनार में एक अग्रगामी परियोजना शुरू की गई। इसके साथ ही आईटीडीसी सीएसआर के अधीन यह बीड़ा उठाने वाली एकमात्र कंपनी बन गई। निगम ने अभी तक इस कार्य पर 20 लाख रुपए खर्च किए हैं और 12 हाउसकीपर नियमित रूप से स्मारक की साफ-सफाई करते हैं।

- पुराने किले में एसईएल शोः हमने दिल्ली के प्रसिद्ध पुराने किले में नवीनतम तकनीक से विकसित ''इश्क-ए-दिल्ली'' नामक एसईएल शो आरंभ किया, जिसे बहुत पसंद किया गया है।
- अशोक इवेंट्स डिवीज़नः देश ही नहीं विदेशों में भी अनेक प्रतिष्ठित संगठनों के लिए इवेंट्स आयोजित करके हमने खूब प्रशंसा बटोरी है। हम बाजार में अग्रणी बनने की दिशा में अग्रसरित हैं। अपनी समारोह प्रबंधन गतिविधियों से इस प्रभाग ने वर्ष 2012-13 में लगभग 25 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड कुल कारोबार दर्ज किया है, जबकि वर्ष 2010-11 में यह मात्र 2 करोड़ रुपए था।
- जिनेवा फैस्ट : स्विटजरलैंड में इस अंतरराष्ट्रीय फैस्ट का आयोजन करके विश्व पटल पर हमने अपनी समारोह प्रबंधन प्रतिभा का लोहा मनवाया। स्विस टूरिज्म एवं जिनेवा टूरिज्म बोर्ड ने इसके लिए आईटीडीसी को प्रशंसा-पत्र भी प्रदान किए हैं।
- एटीटी : अशोक ट्रैवल्स एंड टुअर्स प्रभाग को मजबूत बनाने के लिए निगम सघन प्रयास कर रहा है। एटीटी ने अग्रणी की हैसियत पाने के लिए अनेक उपाय किए हैं और इस वर्ष 100 करोड़ रुपए से भी अधिक का कुल कारोबार दर्ज किया है, जबकि वर्ष 2009-10 में यह 48 करोड़ रुपए था।
- एसी डिवीजन : अशोक सर्जक ने पिछले वर्षों की तरह पर्यटन मंत्रालय और विभिन्न ग्राहकों की संवर्धनात्मक एवं विकासात्मक परियोजनाओं में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है।
- एआईएचएंडटीएम : आईटीडीसी के होटलों के विनिवेश के बाद यह संस्थान एक रणनीतिक व्यावसायिक एकक के रूप में अग्रणी बनकर उभरा है।
- सी-पोर्टों पर शुल्क मुक्त दुकानें : हमने अपना ड्यूटी फ्री ट्रेड देश के बंदरगाहों (सीपोर्टों) पर फैलाना आरंभ कर दिया है। हल्दिया, कोलकाता, चेन्नई और गोवा समुद्रपत्तनों पर दुकानों ने प्रचालन प्रारम्भ कर दिया है। विशाखापट्टनम, काकीनाडा और मंगलूर में तीन और दुकानें खुलने की संभावना है।
- इग्नु - प्रथम पर्यटन विश्वविद्यालय : आतिथ्य क्षेत्र में शिक्षा प्रदान करने के लिए देश में अपनी तरह की पहली अनूठी परियोजना ''आईटीडीसी ग्लोबल पर्यटन व आतिथ्य विश्वविद्यालय'' (IGTHU) सतत् रूप से आगे बढ़ रही है। इसकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रम - शैक्षिक परामर्श इंडिया लि. (एडसिल) द्वारा तैयार की गई है।
- महत्वपूर्ण गठबंधन : हमने हाल ही में त्रिपुरा पर्यटन निगम के साथ पीपीपी आधार पर त्रिपुरा में एक नया होटल बनाने के लिए संयुक्त उद्यम कम्पनी बनाई है, ताकि हम अपने ग्राहकों को विविध पसंदीदा पर्यटक गंतव्य उपलब्ध करवा सकें।
- व्यवसाय परिवर्धन : हम अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। हमने विश्व परिदृश्य पर मेडिकल-टूरिज्म के बढ़ते प्रभाव का लाभ उठाने की दृष्टि से एक एमओयू पर हस्ताक्षर करके महत्वपूर्ण कदम उठाया है, ताकि देश-विदेश से चिकित्सा के लिए भारत आने वाले यात्रियों का आतिथ्य व्यवसाय हमें निरंतर प्राप्त होता रहे।
- पैलेस ऑन वेव्ज़ : अंडमान व निकोबार द्वीप समूह सरकार के साथ इस संबंध में एमओयू हुआ है और उनके सहयोग से इस परियोजना पर कार्य किया जा रहा है।
- होटल बने होटल स्कूल : हमारे 5 स्टार और 3 स्टार होटल ''हुनर से रोज़गार'' योजना के अंतर्गत प्रशिक्षित युवाओं के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण केंद्रों के रूप में कार्य कर रहे हैं, जिससे इस प्रशिक्षण के मूल्य में भारी परिवर्धन हुआ है और बड़ी संख्या में इन युवाओं को हाथों-हाथ रोज़गार भी प्राप्त हो रहा है।
- एसईएल की संख्या में वृद्धि : साउण्ड एंड लाइट शो (एसईएल) की स्थापना के क्षेत्र में आईटीडीसी एक अग्रणी नाम बनकर उभरा है। रॉस आइलैंड, अंडमान निकोबार द्वीप समूह; शालीमार बाग, श्रीनगर; सेल्यूलर जेल, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह; काँके डैम, झारखंड; शिल्पग्राम, देवघर, झारखंड; तलातल घर, असम; श्री भैनी साहिब, लुधियाना आदि में पर्यटन मंत्रालय/राज्य सरकारों द्वारा संस्वीकृत एसईएल परियोजनाओं पर आईटीडीसी कार्य कर रही है।
- इसके अलावा मूसी महारानी की छतरी-सागर-अलवर, कोणार्क मंदिर-पुरी, उदयगिरि, भुवनेश्वर, दीव का किला-दीव के एसईएल शो हेतु विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) पर्यटन मंत्रालय/राज्य पर्यटन को सौंपी गई है।
- स्मारकों का प्रबंधन : एएसआई के साथ 29 यूनेस्को हैरिटेज साइटों पर कैफे, बुक-शॉप आदि की संस्थापना के लिए महत्वपूर्ण गठबंधन की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं, ताकि निगम को अपना कार्यक्षेत्र और आय बढ़ाने के अच्छे अवसर प्राप्त हो सकें।
- ''अशोकनामा'' की शुरूआत : आईटीडीसी का तिमाही द्विभाषी गृह प्रकाशन निगम के कार्यकलापों के महत्वपूर्ण विकास पर विभिन्न स्टेकहोल्डरों के साथ सूचना बांटता है। इस गृह-पत्रिका की सॉफ्ट कॉपी कंपनी की वेबसाइट पर भी उपलब्ध होती है।
- प्रौद्योगिकी के साथ उन्नति : आईटीडीसी ने नवीनतम विपणन प्रौद्योगिकी के साथ चलते हुए अपनी वेबसाइट नए अवतार में पोर्टल फैसिलिटेटिंग के साथ ऑनलाइन भुगतान गेटवे प्रणाली के माध्यम से होटलों, टिकटों, टुअरों आदि की बुकिंग प्रारंभ की है।

उपलब्धियां :

- लाभ में निगम : पिछले वर्ष निगम ने पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार को 4.29 करोड़ रुपए का लाभांश दिया था।
- इस वर्ष भी हमारा लाभ का ग्राफ ऊपर की ओर बढ़ रहा है और हमने मार्च 2013 तक लगभग 30 करोड़ रुपए का लाभ दर्ज किया है।
- निगम के शेयर में उछाल : हमारी सफलता की रोशनी चारों दिशाओं में फैल रही है। आईटीडीसी के शेयर का मूल्य निरंतर बढ़ रहा है। जिस शेयर का जून 2012 में बाजार मूल्य 109 रु. प्रति शेयर था, उसने 28 जनवरी, 2013 को 2217 रु. प्रति शेयर का शिखर छुआ।
- सुनहरा भविष्य : यह अत्यंत हर्ष और गर्व की बात है कि इन तीन सालों के सफर में हमने अनगिनत उपलब्धियां प्राप्त की हैं। अतः मुझे विश्वास है कि अब आईटीडीसी का भविष्य सुरक्षित एवं उज्ज्वल है। मुझे अशोकन परिवार के हर एक सदस्य से अब यही उम्मीद है कि वे आईटीडीसी की प्रगति की इस गति और दिशा को बनाए रखेंगे।
- मैं स्वयं भी आईटीडीसी के सुनहरे भविष्य के प्रति कटिबद्ध हूं और विश्वास दिलाता हूं कि इस संबंध में जब कभी भी मेरी सहायता की जरूरत होगी, आपको निराशा नहीं होगी। मैं सदैव आईटीडीसी के साथ रहूंगा।

नमस्कार, खुदा हाफ़िज़।

जय हिंद।

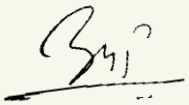

डॉ. ललित के. पंवार
चेयरमैन व प्रबंध निदेशक
आई.टी.डी.सी.

As on 18 April, 2013

ITB 2013

Dr. K. Chiranjeevi, Hon'ble Minister of State for Tourism (IC), Govt. of India with Dr. Lalit K. Panwar, former C&MD, ITDC and other ITDC Officials at ITB Berlin

ITB 2013 held from 6 - 10 March, 2013 provided significant impetus for growth and networking opportunities. Over 10086 exhibitors from 188 countries presented their products and services in display halls. An estimated 110000 trade visitors reached Berlin. In fact, the ITB Berlin Convention registered record levels of attendance this year.

ITB is one of the largest international events in which the Ministry of Tourism participates on a very large scale. This year an area of 870 sq. mtrs. was taken for the India Pavilion. The theme of the creative used in the India Pavilion at ITB Berlin 2013 was "Find What You Seek" which highlighted the fact that India as a tourist destination has something to offer for everybody. "Find What You Seek" is the second phase of the Incredible India campaign.

A total of 58 participants from India attended ITB. These included 12 State Governments and 46 Travel Agents / Tour Operators / Hotels / Airlines.

SATTE 2013

ITDC Stall at SATTE 2013

The 20th edition of India's biggest tourism event, SATTE 2013 was held at Pragati Maidan, New Delhi in January 2013. SATTE has become one of the important platforms for buyers and sellers to meet, network and transact business.

With over 590 exhibitors from 35 overseas countries and 23 Indian States; buyers from over 43 countries and 74 cities of India, SATTE 2013 saw the participation of many new countries as their launch platform to showcase their diverse tourism profile to Indian travel trade. In addition to long-time supporters, countries like USA, Bulgaria, Ethiopia and Seychelles participated for the first time.

The first two days witnessed hectic B2B meetings, business transactions and networking between buyers and sellers, as well as hectic conference sessions.

National Tourism Awards 2011-12

ITDC witnessed excellent performance record and achieved various accolades during the financial year 2012-13. With a turnaround in its financial performance, ITDC's share price has risen substantially. Giving due credit to the ITDC success story, the Corporation has been bestowed with various awards also during this year.

The recent award bagged by ITDC is the Ministry of Tourism's prestigious National Tourism Awards 2011-12 for the exemplary contribution of the Corporation towards the promotion and development of India's tourism industry

Shri Sireesh Saxena, Vice President (Hotels) & Corporate Executive Chef, ITDC receiving the National Tourism Award 2011-12 in the category "Best Chef" (4 to 5 Star Deluxe, Heritage Grand and Classic Hotels)

Dr. Lalit K. Panwar, former C&MD, ITDC receiving National Tourism Award 2011-12 from Shri Pranab Mukherjee, Hon'ble President of India in the presence of Dr. K. Chiranjeevi, Hon'ble Minister of State for Tourism (IC), Govt. of India. Also seen with him are Shri Goutam Chatterjee, GM (Ashok) and Shri Ajay Chaudhry, DGM (Ashok Banquets)

over the last one year. The Ashok, New Delhi, the Corporation's flagship Hotel has been awarded as the "Best Hotel Based Meeting Venue" in the National Tourism Awards 2011-12. Also, Shri Sireesh Saxena, Vice President (Hotels) & Corporate Executive Chef, ITDC, having served the Hospitality sector for more than 37 years, has been awarded in the Category – "Best Chef" (4 to 5 Star Deluxe, Heritage Grand and Classic Hotels) of the National Tourism Awards 2011-12.

The National Tourism Awards were conferred by Shri Pranab Mukherjee, Hon'ble President of India at Vigyan Bhawan, New Delhi on 18 March, 2013. Dr. K. Chiranjeevi, Hon'ble Minister of State for Tourism (Independent Charge) presided over the function. The annual National Tourism Awards acknowledge various segments of travel and tourism industry in recognition of their performance in the respective fields with the aim to encourage and promote tourism in the country.

ITDC has been a regular recipient of National Tourism Awards. In 2009-10, The Ashok, New Delhi had won the National Tourism Awards in the category of "Best Convention Centre". In 2010-11, National Tourism Awards on Hospitality Education was conferred to the Corporation for "Excellence in Hospitality Education".

ITDC has achieved awards and recognition for its commitments not only in the domestic market but also at the international front. At the recently held ITB Berlin Travel Trade Show 2013, Dr. Lalit K. Panwar, former C&MD, ITDC was conferred with the Pacific Area Travel Writers Association (PATWA) International Award under the category "ITDC – Best Hotel Chain for Value for Money". Last year, the PATWA International Award was also won by The Ashok, New Delhi as the "Best Hotel for Cuisine and Services".

PATWA Award being received at Berlin

Special Hotel Deals for Government / PSU Officials

ITDC has recently introduced special Hotel Rates for Government Officials and Public Sector Undertaking Officers across all its properties. These rates take into consideration entitlement patterns of Government Officials. For as low as Rs 5500 all inclusive stay for a night at The Ashok, New Delhi inclusive of breakfast and dinner (and also includes wi-fi internet access; use of in-house gym and swimming pool). The rates are valid up to 30 September, 2013.

For details or bookings, please visit www.theashokgroup.com or call 09560922774 / 09911910366 (email: sales@theashokgroup.com)

The Ashok - Capital Icon

ITDC has commissioned veteran travel writers Hugh & Colleen Gantzer to write the Coffee Table Book titled "The Ashok – Capital Icon" depicting the journey of The Ashok, New Delhi from its inception onward.

The project was offered to the Gantzers by Dr. Lalit K. Panwar, former C&MD, ITDC. The Book will not be a historical treatise full of dates and events. It will focus on people and how they have made The Ashok – a Capital Icon.

Photograph shows the couple receiving the National Tourism Award 2011-12 from Shri Pranab Mukherjee, Hon'ble President of India for their two travel books – "The Alluring North" and "The Vibrant West", published by Niyogi Books. The books are part of the four-volume series "Intriguing India", with the other two books being "The Historic South" and "The Colourful East".

ITDC & Sagar Ratna join hands

Dr. Lalit K. Panwar, former C&MD, ITDC and Shri Arvind Nair, Director, Sagar Ratna Restaurants Pvt. Ltd. signing the MoU

ITDC, on 4 February, 2013 signed an MoU with Sagar Ratna Restaurants Pvt. Ltd. for jointly conducting skill development programme for Indian youth for their employment in the tourism and hospitality sector. The objective of the association is to pool the respective strengths, resources, expertise and goodwill of both ITDC and Sagar Ratna Restaurants Pvt. Ltd. for the purpose of creating employability of the youth by imparting vocational training and employment opportunity with Sagar Ratna Restaurants Pvt. Ltd.

Hotel Janpath

The Janpath Hotel has been conferred the title of ***Platinum Pick Hotel*** for the Hotel team's stellar performance by Make My Trip – the pioneer in online travel services for the year 2012.

It was briefed by the MMT team that amongst the 900 listed Hotels in Delhi and NCR on its online travel services, only 35 premium Hotels across all categories have been conferred this prestigious ***Platinum Pick Hotel*** title and The Janpath Hotel is one of them. The Janpath Hotel is rated amongst the top 3 Hotels in 4 Star category as per the analysis of the usage data collected from the Make My Trip site and is based on parameters like guest satisfaction leading to high materialization rate etc.

UNWTO Conference

The Ministry of Tourism, Government of India in collaboration with the Government of Andhra Pradesh, hosted the 25th Joint Meeting of the UNWTO Commissions for East Asia & the Pacific and South Asia and the UNWTO Conference on Sustainable Tourism Development at Hyderabad on 12 April, 2013.

The UNWTO Conference was inaugurated by Dr. K. Chiranjeevi, Hon'ble Minister of State for Tourism (IC) in the presence of Shri Vasant Kumar, Hon'ble Minister for Tourism, Government of Andhra Pradesh; Dr. Taleb Rifai, Secretary General, UNWTO; Shri Martin Craigs, CEO, Pacific Asia Travel Association (PATA) and Shri Parvez Dewan, Secretary, Ministry of Tourism, Government of India at Hyderabad. Shri N. Kiran Kumar Reddy, Hon'ble Chief Minister of Andhra Pradesh was the Chief Guest at the event.

Public Service Delivery System for Hotel Approval

Dr. K. Chiranjeevi, Hon'ble Minister of State for Tourism (IC) on 3 April, 2013 launched a web based Public Service Delivery System for Hotel approval and classification with a view to bring in transparency in granting approvals for Hotel projects and classification status to functioning Hotels. With the help of this system, all applicants seeking Hotel project approvals, Hotel classification and approvals for other related services will be able to track the progress of their cases online on a real time basis. The event was held at Hotel Samrat, New Delhi.

SEL New Projects

The State Governments of Jammu & Kashmir (Katra, Jammu and Leh-Laddakh), Odisha (Udaigiri-Khandagiri Caves, Sun Temple, Konarak, Dhauli Stupa, Ratnagiri), Rajasthan (Moosi Maharani ki Chhatri, Alwar), Tripura (Ujjayanta Palace), Jharkhand (Kanke Dam, Ranchi) have assigned ITDC various Sound & Light Show Projects for which ITDC has already submitted the Detailed Project Reports to the Ministry of Tourism for their sanction. The same are expected to be sanctioned within the current financial year.

Sound & Light Show team is already working on implementation of SEL Shows for Dal Lake, Srinagar and Shalimar Bagh, Srinagar (J&K), Cellular Jail and Ross Island (Andaman & Nicobar Islands), Deoghar (Jharkhand), Talatal Ghar (Assam), Bhaini Sahib, Ludhiana (Punjab) and Tilyar Lake, Rohtak (Haryana).

Sound & Light Shows on YouTube

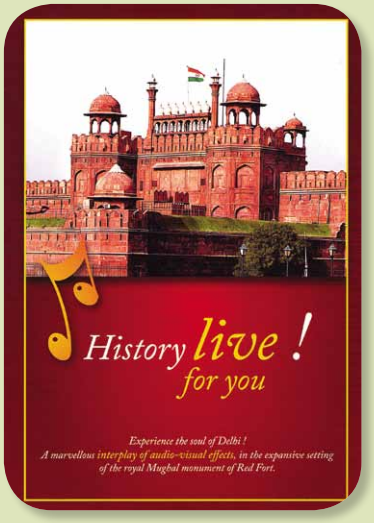

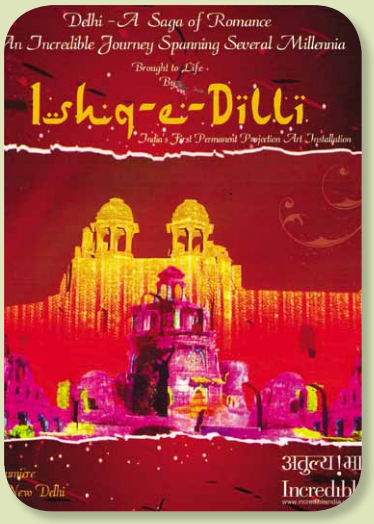

The Ministry of Tourism has uploaded two Sound & Light Shows on YouTube. The entire 58-minute Sound & Light Show at Red Fort, Delhi and the 54-minute Ishq-e-Dilli at Purana Qila are available for free viewing on YouTube. The audio tracks of all 23 Sound & Light Shows funded by the Ministry of Tourism would be uploaded on the internet for free viewing throughout the world. This has been done with the objective to spread the knowledge about various important Heritage Sites. **Both the Shows are operated by India Tourism Development Corporation (ITDC).**

ITDC organizes "Tourism for Art" – an Art Camp at The Ashok

ITDC in association with Andhra Pradesh Tourism Development Corporation (APTDC) organized "Tourism for Art" – an Art Camp from 20 - 24 April, 2013 at The Ashok, New Delhi. Dr. Lalit K. Panwar, former C&MD, ITDC and Ms. Chandana Khan, Special Chief Secretary, Tourism, Government of Andhra Pradesh inaugurated the Art Camp.

The Art Camp "Tourism for Art" is an initiative under the MoU signed between ITDC and APTDC with the objective to provide improved hospitality and tourism services by making joint use of their capabilities and facilities. The Art Camp brought 15 artists from various regions of the country like Hyderabad, Kolkata, Jammu & Kashmir, and also Delhi to one common platform and gave them the opportunity to showcase their work to art lovers.

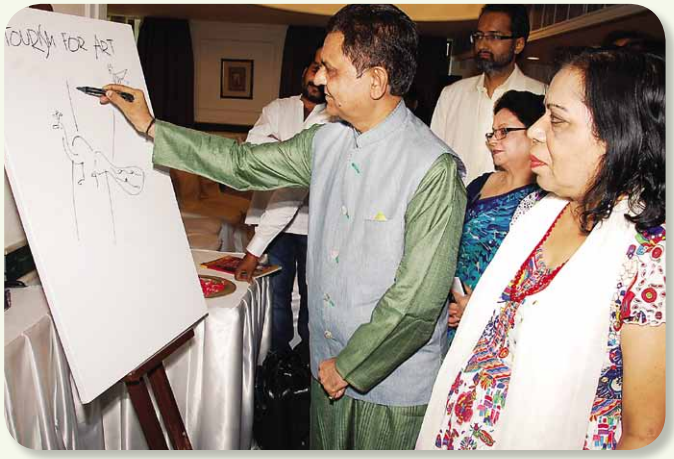

ITDC - NIOS Coordinators Meet

A one day Workshop of ITDC–NIOS Coordinators was held on 9 April, 2013 at The Ashok, New Delhi. The Workshop was chaired by Dr. Lalit K. Panwar, former C&MD, ITDC and Dr. S.S. Jena, Chairman, National Institute of Open Schooling (NIOS).

The Workshop started with a presentation from GM (HRD), ITDC on ITDC–NIOS collaboration, followed by individual presentations from General Managers of ITDC Hotels regarding efforts and action plan to promote these courses.

Book Launch: "Tourism in India – An Economic Activity"

The Ashok, New Delhi was the venue for release of the Book "Tourism in India – An Economic Activity" authored by Shri Anil K. Bhandari on 7 February, 2013 at The Ashok's Banquet Hall.

The Book published by Har-Anand Publications was formally launched by the Chief Guest, Shri S.K.Misra whose efforts to position India as one of the finest tourist countries in the world is remarkable. Shri Parvez Dewan, Secretary, Ministry of Tourism, Government of India and Dr. Lalit K. Panwar, former C&MD, ITDC were the Guests of Honour on the occasion.

"My objective of writing this book was to share my knowledge and experience which I gained in 47 years while working with the Travel, Tourism and Hotel industry", on a nostalgic note, the author recalled that The Ashok, the venue of the release of his Book, held a special position for him as this was where he began his career as a Trainee and left as the Chairman & Managing Director of the Corporation.

Training Programme on Project Management

ITDC organized a Training cum Certificate Programme on Project Management through the Institute of Project Management Certification, NOIDA for ITDC Engineers. The training programme held from 9-13 February, 2013 was attended by 31 engineers and Director (C&M), ITDC.

At the conclusion of the programme, an examination was conducted by the Institute of Project Management Certification. Out of 32 candidates, 29 qualified for the above Certificate. First, Second and Third positions were awarded with Rs. 10,000/-, Rs. 5000/- and Rs. 3000/- respectively and every successful engineer / candidate was given Rs. 1000/- each.

In the above programme, Cmde (Retd) R.K. Okhandiar, VSM, Director (C&M), secured the First position but declined the cash award in favour of other participants.

ITDC Chefs add honour to India's culinary tradition at Jeddah

Set for the second consecutive year within the charming poolside of Elaf Jeddah Hotel at Red Sea Mall, the 9-day "Indian Food Festival" (20–28 March, 2013) presented a variety of culinary specialities from different Indian States. Indian music, the smell of spices and traditionally dressed waiters welcomed guests at the 9-day Festival.

Inaugurated by Indian Consul General, Shri F.A.Kidwai, the Festival attracted a number of visitors. Chef Balram Jaiswal, Chef A.P.Gireesh Kumar and Chef Manoj Madan did ITDC proud by offering an array of delicacies, all authentic and mouth-watering from the different regions of India.

A Taste of India in Panama

Embassy of India, Panama in association with the Ministry of Tourism organized a 5-day Indian Food Festival at Intercontinental Miramar Panama, one of the renowned hotels in Panama City. The Festival was held from 4-8 February, 2013. His Excellency the Ambassador of India, Panama inaugurated the Festival on 4 February, 2013.

The Venue was given a complete Indian look. To add to the flavour Indian music and video CDs were played during the Festival. Over 600 guests relished the culinary offerings as prepared by ITDC Chefs - Shri Ashwin G.Prabhu and Shri Naresh Kumar.

A Taste of India in Cuba

An Indian Food Festival – a joint initiative of the Ministry of Tourism and Embassy of India in Cuba was held at Hotel Nacional de Cuba. H.E. Shri Rajasekhar, Ambassador of India inaugurated the Festival on 27 January, 2013. ITDC Chefs Shri Ashwin G. Prabhu, Chef (Vigyan Bhawan) and Shri Naresh Kumar, Commi II (The Ashok) were nominated from ITDC to provide the gastronomic experience. Specialities of Indian cuisine were prepared by the Chefs and greatly appreciated by the guests.

निगम मुख्यालय में अधिकारियों के लिए हिंदी कार्यशाला का आयोजन

जनवरी–मार्च, 2013 तिमाही में निगम के राजभाषा विभाग द्वारा 05 मार्च, 2013 (मंगलवार) को स्कोप कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली स्थित निगम के सम्मेलन कक्ष में एक–दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह हिंदी कार्यशाला वर्ष 2013 की पहली कार्यशाला है। इस कार्यशाला का आयोजन विशेषकर अधिकारियों के लिए कम्प्यूटर में यूनीकोड सक्रिय करने और सरकारी कार्य में उसके उपयोग का व्यावहारिक प्रशिक्षण देने के लिए किया गया था। इस कार्यशाला का उद्घाटन आईटीडीसी के माननीय निदेशक (सीएंडएम), कोमो. (से. नि.) रतन कु. ओखन्दियार महोदय ने किया।

इस कार्यशाला में उपस्थित अधिकारीगणों को सम्बोधित करते हुए निदेशक (सीएंडएम) महोदय ने सरकारी कार्यों में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करने पर बल दिया। कम्प्यूटर में हिंदी में निःशुल्क काम करने की क्षमता पैदा करने के संबंध में उन्होंने भारत सरकार के प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित अधिकारियों से आज की कार्यशाला में व्यक्तिगत रुचि लेकर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करने और उसे सरकारी कार्यों में लागू करने की अपील की, ताकि आईटीडीसी में हिंदी के प्रयोग में वृद्धि हो सके।

कार्यशाला में सर्वप्रथम आईटीडीसी में प्रबंधक (राजभाषा) ने पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से भारत सरकार की राजभाषा नीति की विस्तृत जानकारी दी और सरकारी कार्यालयों में उसके समुचित कार्यान्वयन के संबंध में उनके दायित्वों पर व्यापक प्रकाश डाला। इसके बाद एनआईसी में वरिष्ठ तकनीकी निदेशक श्री केवल कृष्ण जी ने पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से कम्प्यूटरों में यूनीकोड सक्रिय करने एवं उस पर सरकारी कामकाज हिंदी में सरलता से करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण अत्यंत ही सरल एवं बोधगम्य शैली में प्रदान किया। इस अवसर पर उन्होंने इस व्यवस्था के अंतर्गत अंग्रेजी की–बोर्ड की सहायता से ही हिंदी टाइप करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया।

कार्यशाला के अंत में लिखित वस्तुनिष्ठ परीक्षा ली गई, ताकि प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया जा सके। हिंदी कार्यशाला के अंत में सभी प्रतिभागियों को निगम की ओर से हिंदी भाषा के प्रचार–प्रसार के उद्देश्य से हिंदी के प्रख्यात विद्वान श्री राजेंद्र यादव जी एवं सुश्री मृदुला पाण्डेय जी की कहानियों के संकलन प्रदान किए गए। सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से लिखित वस्तुनिष्ठ परीक्षा के विजेताओं की निम्नप्रकार घोषणा की गई है :

क्र.सं.	नाम व पदनाम	स्थान	पुरस्कार
1.	श्री एम.आर. शर्मा, सहायक प्रबंधक	प्रथम	800/– रु.
2.	श्री कमल लूथरा, सहायक प्रबंधक	द्वितीय	600/– रु.
3.	श्री मनजीत सिंह, सहायक प्रबंधक	तृतीय	400/– रु.
4.	श्रीमती गौरी मणिकंडन, सहायक अधीक्षक	सांत्वना	300/– रु.
5.	श्री राजेन्द्र कुमार, सहायक प्रबंधक	सांत्वना	300/– रु.
6.	श्री नोबल कौशिक, सहायक प्रबंधक	सांत्वना	300/– रु.
7.	श्री प्रवीण कु. अग्रवाल, उपाध्यक्ष	सांत्वना	300/– रु.

जयपुर में संसदीय राजभाषा समिति की निरीक्षण-बैठक

माननीय संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप–समिति ने 15 अप्रैल, 2013 को होटल जयपुर अशोक, जयपुर में हिंदी के प्रगामी प्रयोग में हुई प्रगति का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण–बैठक की अध्यक्षता माननीय संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप–समिति के संयोजक श्री रघुनंदन शर्मा जी ने की। इस निरीक्षण–बैठक में होटल जयपुर अशोक का प्रतिनिधित्व प्रधान प्रबंधक श्री विशाल माथुर ने किया, जबकि निगम मुख्यालय की ओर से भूतपूर्व चेयरमैन व प्रबंध निदेशक, डॉ. ललित के. पंवार और प्रबंधक (राजभाषा), डॉ. प्रदीप कुमार चौधरी ने और पर्यटन मंत्रालय की ओर से अपर महानिदेशक (पर्यटन) श्री अजय कुमार गुप्त एवं संयुक्त निदेशक (राजभाषा) श्री सुनील कुमार ने भाग लिया।

माननीय समिति सदस्यों ने होटल में हिंदी के प्रगामी प्रयोग में हुई प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए कार्यालय में भारत सरकार की राजभाषा नीति का अनुपालन अपेक्षानुसार नहीं होने और कुछ मदों में गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों से पीछे रहने पर प्रबंधकवर्ग की आलोचना की। माननीय समिति ने वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने और कार्यालय में हिंदी का माहौल बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

इस अवसर पर होटल जयपुर अशोक, जयपुर के प्रबंधकवर्ग द्वारा एक राजभाषा प्रदर्शनी भी लगाई गई थी, जिसे देखकर माननीय समिति सदस्यों, भूतपूर्व चेयरमैन व प्रबंध निदेशक एवं अपर महानिदेशक (पर्यटन) ने प्रसन्नता व्यक्त की।

एककों के नामित राजभाषा अधिकारियों के लिए हिंदी कार्यशाला का आयोजन

सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से निगम के राजभाषा विभाग द्वारा 16 एवं 17 मई, 2013 को जनपथ होटल, नई दिल्ली में एक दो–दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यशाला में निगम के सभी होटल एककों के नामित राजभाषा अधिकारियों को तिमाही राजभाषा प्रगति रिपोर्ट ऑन–लाइन भिजवाने का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। कार्यशाला में प्रतिभागियों को भारत सरकार की राजभाषा नीति के उपयुक्त कार्यान्वयन के संबंध में भी अपेक्षित जानकारी प्रदान की जाएगी।

गृह मंत्रालय, भारत सरकार के राजभाषा विभाग द्वारा राजभाषा अधिनियम और राजभाषा नियम में दिए गए निदेशों का सम्यक अनुपालन करते हुए सरकारी कार्यालयों में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन को अधिक प्रभावी बनाने हेतु ''सूचना प्रबंधन प्रणाली'' विकसित की गई है, जिसके अंतर्गत अब से निगम मुख्यालय एवं उसके सभी होटल एककों को अपने कार्यालय की तिमाही राजभाषा प्रगति रिपोर्ट ऑन–लाइन ही भिजवानी अनिवार्य होगी।

प्रस्तावित कार्यशाला में तकनीकी प्रशिक्षण के लिए केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान में हिंदी प्राध्यापक को फैकल्टी के रूप में आमंत्रित किया गया है।

Chief Editor: Girish Shankar, Managing Director, ITDC
Editorial Board: Cmde (Retd.) R K Okhandiar, VSM, Director (C&M)
Trinath Behera, Director (Finance)
Ram Bilash Meena, Chief Vigilance Officer
Editor: Promila Paruthi, General Manager (PR&C / AC)
Principal Correspondents: All Divisional Heads & Unit General Managers
Designed by Benchmark Graphic Pvt. Ltd. **Printed at** Archana Advertising Pvt. Ltd.

भारत सरकार की राजभाषा नीति को जानिए

अधिकारियों के विजिटिंग कार्ड एवं सरकारी समारोहों के निमंत्रण-पत्रों का द्विभाषी मुद्रणः

- सभी अधिकारियों के विजिटिंग कार्ड एवं सभी सरकारी समारोहों के निमंत्रण-पत्र हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में जारी किए जाएं।
- कार्ड पर एक ओर हिंदी भाषा में तथा दूसरी ओर अंग्रेजी भाषा में विवरण छपवाया जाए।
- आवश्यकतानुसार इनमें हिंदी एवं अंग्रेजी के अतिरिक्त प्रादेशिक भाषा का प्रयोग भी किया जा सकता है।

(राजभाषा विभाग का तारीख 10.06.1974 का का.ज्ञा.सं. 11015/80/72-रा.भा.)

स्टाफ कारों पर द्विभाषी विवरण

- हिंदी भाषी क्षेत्रों में स्थित मंत्रालयों/विभागों और संबद्ध एवं अधीनस्थ कार्यालयों में प्रयुक्त स्टाफ कारों पर कार्यालय का नाम व अन्य विवरण हिंदी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में लिखवाए जाएं।
- हिंदी में विवरण ऊपर हो तथा अंग्रेजी में उसके नीचे।

(राजभाषा विभाग का तारीख 07.09.1972 का का.ज्ञा.सं. 11015/49/72-रा.भा.)

लिफाफों पर पते हिंदी में लिखना

- यह सुनिश्चित किया जाए कि 'क' व 'ख' क्षेत्र में स्थित कार्यालयों को भेजे जाने वाले पत्रों के लिफाफों पर पते देवनागरी लिपि में ही लिखे जाएं तथा प्रेषण विभाग को इस संबंध में जांच बिंदु बनाया जाए।

(राजभाषा विभाग का तारीख 06.04.1992 का का.ज्ञा.सं. 12024/2/92-रा.भा.(ख-2)

कार्यालयों की टेलीफोन निर्देशिका, सेवा निर्देशिका, गृह पत्रिका, सूचना पत्रों आदि का द्विभाषी मुद्रण

- कार्यालयों की टेलीफोन निर्देशिका एवं सेवा निर्देशिका अनिवार्य रूप से द्विभाषी रूप में (हिंदी व अंग्रेजी में) मुद्रित करवाई जाएं।
- यह वांछनीय है कि दिल्ली स्थित केंद्रीय सरकार के मंत्रालयों/विभागों/कार्यालयों द्वारा हिंदी में मुद्रित टेलीफोन निर्देशिका का अधिक से अधिक प्रयोग किया जाए।

(राजभाषा विभाग का तारीख 22.07.1971 का का.ज्ञा.सं. 1/38/7-रा.भा.)

- यह अनिवार्य है कि गृह पत्रिका और सूचना पत्र आदि द्विभाषी रूप में (हिंदी व अंग्रेजी में) प्रकाशित करवाए जाएं।
- इन प्रकाशनों में हिंदी और अंग्रेजी के पृष्ठों की संख्या बराबर-बराबर होनी चाहिए तथा ये एक ही जिल्द में व एक ही नाम से छापे जाने चाहिए।
- इनकी जिल्द के शीर्ष एवं डिजाइन द्विभाषी होने चाहिए।

(राजभाषा विभाग का तारीख 17.07.1996 का का.ज्ञा.सं. टी/14011/1/96-रा.भा.(नीति-1)

विज्ञापनों का द्विभाषी प्रकाशन

- सभी विज्ञापन एक साथ हिंदी एवं अंग्रेजी में जारी किए जाएं।
- कुल विज्ञापन खर्च की 50 प्रतिशत राशि हिंदी विज्ञापनों पर तथा शेष 50 प्रतिशत राशि अंग्रेजी एवं स्थानीय भाषा के विज्ञापनों पर खर्च की जाए।
- हिंदी विज्ञापन हिंदी समाचार पत्रों में तथा अंग्रेजी विज्ञापन अंग्रेजी समाचार पत्रों में जारी किए जाएं।

पुस्तकालयों में हिंदी पुस्तकों की खरीद

- हिंदी में काम करने के लिए अनुकूल वातावरण बनाने और अपना मूल काम हिंदी में करने को आसान बनाने के लिए पुस्तकालयों में हिंदी पुस्तकें, जैसे अंग्रेजी-हिंदी एवं हिंदी-अंग्रेजी शब्दकोश, सहायक व संदर्भ साहित्य, तकनीकी शब्दावलियां, तकनीकी साहित्य, ललित साहित्य आदि खरीदी जाएं।
- पुस्तकालय के कुल वार्षिक बजट की 50 प्रतिशत राशि हिंदी पुस्तकों की खरीद पर खर्च की जानी अपेक्षित है।

(राजभाषा विभाग का तारीख17.07.1992 का का.ज्ञा.सं. टी/20034/53/92-रा.भा.(अ.वि.)

राजभाषा प्रोत्साहन

निगम की विशेष नकद भत्ता योजना के अंतर्गत प्रोत्साहन

सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से निगम के तारीख 25.3.2013 के कार्यालय आदेश संख्या हिंदी/2/अक्तूबर-दिसंबर, 2012 द्वारा निगम की विशेष नकद भत्ता योजना के अंतर्गत 1.10.2012 से 31.12.2012 तक की अवधि के लिए प्रोत्साहन के रूप में निम्नलिखित कर्मचारियों को उनके नाम के सामने दी गई अवधि में किए गए हिंदी टाइपिंग कार्य के आधार पर निम्नप्रकार से विशेष भत्ता मंजूर किया गया है:

1.	श्री संजय कुमार, कनिष्ठ सहायक	जनपथ होटल	600/- रु.
2.	श्रीमती ऊषा नेपाली, कनिष्ठ सहायक	जनपथ होटल	600/- रु.
3.	श्रीमती मंजू बट्टू, वरिष्ठ बिक्री सहायक	एच.आर. मुख्यालय	600/- रु.
4.	श्री विजय कु. शर्मा, अधीक्षक	अशोक होटल	600/- रु.
5.	श्री निरंजन, वरिष्ठ लिपिक	अशोक होटल	600/- रु.
6.	श्री संजय रावत, कनिष्ठ आशुलिपिक	अशोक होटल	600/- रु.

निगम की एकमुश्त नकद पुरस्कार योजना के अंतर्गत प्रोत्साहन

हिंदी शिक्षण योजना के अंतर्गत जनवरी 2013 में हुई हिंदी टंकण/आशुलिपि परीक्षा के परिणाम के अनुसार दि अशोक होटल, नई दिल्ली में कार्यरत कनिष्ठ आशुलिपिक श्री आशु अरोड़ा ने हिंदी आशुलिपि/टाइपिंग परीक्षा पास कर ली है।

तदनुसार सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से निगम की ''एकमुश्त नकद पुरस्कार योजना'' के अंतर्गत तारीख 2 मई, 2013 के कार्यालय आदेश संख्या हिंदी/2/2013 द्वारा प्रोत्साहन के रूप में दि अशोक, नई दिल्ली में कार्यरत कनिष्ठ आशुलिपिक श्री आशु अरोड़ा को यह हिंदी आशुलिपि/टाइपिंग परीक्षा पास करने पर 3750/- रु. (केवल तीन हजार सात सौ पचास रुपए) का एकमुश्त पुरस्कार मंजूर किया गया है।

From the Editor

We invite all Ashokans to express what they feel. You can write it, draw it, versify it, picture it or share it as a joke. Swing into action immediately and rush your contributions via email or mail to The Editor, Ashoknaama at **editorashoknaama@gmail.com** or **promilaparuthi@gmail.com** or PR&C Division, Room 108, The Ashok, Chanakyapuri, New Delhi-110021.

The next issue of Ashoknaama is scheduled for April - June 2013. Make sure we get your contributions latest by 10 June, 2013.

Promila Paruthi

व्यंग्य कथा

जिंदा या मुर्दा

फौज में भर्ती हुए कई साल हो गए थे। मेरा तबादला जम्मू के लिए हो गया। मैंने जम्मू जाकर अपना पद ग्रहण कर लिया। कुछ समय बाद मेरी ड्यूटी आर्मी स्टोर में लगा दी गई। कुछ दिन बाद एक आर्मी का ट्रक आया, जिसमें टायर भरे हुए थे। टायरों के साथ कुछ पहिए भी थे। एक जवान एक-एक करके टायर व पहिए ट्रक से नीचे गिरा रहा था। उनमें से एक पहिया उछल कर बड़ी स्पीड से मेरी तरफ आया। मैं कुछ समझ पाता, तब तक पहिए ने मुझे अपनी गिरफ्त में ले लिया और मुझे करीब 10 फीट दूर फेंक दिया। मुझे गिरा देखकर वहां हल्ला मच गया। ''साहब को उठाओ'', कई जवान आ गए और मुझे उठाकर एक जीप में डालकर आर्मी अस्पताल ले गए। मेरे पैर में बहुत दर्द हो रहा था। अस्पताल में एक्स-रे के बाद पता चला कि मेरे बाएं पैर में फ्रैक्चर है। डॉक्टर साहब ने पर्चा बनाकर प्लास्टर के लिए लिख दिया। व्हीलचेयर पर बिठाकर मुझे प्लास्टर के लिए ले जाया गया। वहां पहुंच कर सहायक डॉक्टर ने पर्चा देखा और मुझे तख्त पर लेटने को कहा। मैं लेट गया। कम्पाउडर ने पहले इंजेक्शन लगा दिया, बाद में उसने दाएं पैर पर प्लास्टर चढ़ा दिया। मेरे बार-बार मना करने पर भी वह नहीं माना। उसने कहा, ''डॉक्टर साहब ने एक्स-रे में राइट लिखा है। तुम्हें क्या पता, तुम क्या डॉक्टर हो?'' उसके बाद दवा देकर मुझे वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया। शाम को डॉक्टर साहब राउंड पर आए, तो उन्होंने पूछा, ''क्या हाल है?'' मैंने कहा, ''डॉक्टर साहब मेरे बाएं पैर की हड्डी टूटी है और प्लास्टर दाएं पैर पर चढ़ा दिया है।'' मेरी बात सुनकर डॉक्टर साहब सन्न रह गए। उन्होंने पर्चे की तरफ निगाह गड़ाई। तभी डॉक्टर साहब ने आनन-फानन में मेरे दाएं पैर का प्लास्टर कटवाया और बाएं पर चढ़वाया। रात हो चुकी थी। नर्स ने दर्द तथा नींद का इंजेक्शन लगाया। उसके बाद कुछ आराम मिला। उसके बाद मुझे कब नींद आ गई, पता ही नहीं चला।

सुबह जब मैं जागा, यूं समझो कि जागा क्या जगाया गया। दो औरतें मुझे बुरी तरह पीट रहीं थीं। एक औरत बार-बार मेरी छाती को पीट रही थी और दूसरी मेरे पेट व पैर पर हाथ मार रही थी। उनमें से एक कह रही थी कि लल्ला के पापा इतनी जल्दी क्यों चले गए और दूसरी भी इसी तरह कुछ कह रही थी। शोरगुल में ठीक से सुनाई नहीं दे रहा था। यह सब क्या हो रहा है, मेरी समझ में कुछ नहीं आ रहा था। मैंने पलंग पर लेटे-लेटे ही यह सोचा कि मेरे तो पैर की हड्डी टूटी थी, तो यह सब क्या हो रहा है, कहीं मैं मर तो नहीं गया हूं।

मैं जोर-जोर से चिल्लाया, ''नर्स-नर्स!'' नर्स दौड़कर आयी। नर्स ने वार्ड बॉय को बुलाया। बड़ी मुश्किल से उन दोनों औरतों को मेरे ऊपर से हटाया गया। वे दोनों औरतें मेरी छाती और पेट को पीट रही थीं और मैं चिल्ला रहा था। नर्स ने उनसे पूछा, ''तुम कौन हो और उस मरीज की छाती पीट-पीट कर क्यों रो रही थीं?'' उनमें से एक महिला बोली, ''मैं जब कल आयी थी, तब मेरे पति इस पलंग पर लेटे थे। आज उनके ऊपर सफेद चादर पड़ी देखकर मैं घबरा गई। मैंने सोचा मेरे पति मर गए हैं। इसीलिए मैं रो रही थी। नर्स जी, बड़ी गलती हो गई, मुझे अब बहुत शर्म आ रही है और गलती का अहसास हो रहा है।'' उसके बाद वह दोनों महिलाएं वार्ड से बाहर चली गईं और मैंने राहत की सांस ली।

इस घटना को सोच-सोच कर बहुत हंसी आती है। इस घटना के बारे में किसी को सुनाता हूं, तो लोग भी खूब हंसते हैं और कई सवाल करते हैं।

अवतार सिंह सागर
वरिष्ठ बिक्री सहायक, सतर्कता एवं सुरक्षा विभाग

प्रेरक प्रसंग

वफादार खजांची

दिल्ली के एक बादशाह अपनी प्रजा के सुख-दुःख का बड़ा ख्याल रखते थे। वह हर समय आम आदमी के विकास की बात सोचते रहते थे। एक रात वह टहल रहे थे, तभी अचानक उनकी नजर शाही खजाने की तरफ गई। उन्होंने थोड़ा और आगे बढ़कर देखा तो पाया कि खजाने की बत्तियां जली हुई हैं। बत्ती जलती देखकर बादशाह खजाने की तरफ बढ़ चले। वहां जाने पर उन्होंने देखा कि खजांची कुछ हिसाब-किताब कर रहे हैं। उन्होंने खजांची से पूछा, 'क्या बात है? आज सोना नहीं है? आधी रात हो गई और तुम अब तक यहीं पर बैठे-बैठे हिसाब-किताब कर रहे हो।' बादशाह की बात पर खजांची बोला, 'जहांपनाह, हिसाब कुछ बढ़ गया है, इसलिए मैं दोबारा गिनती कर रहा हूं और यह पता लगाने की कोशिश कर रहा हूं कि आखिर किसका अतिरिक्त धन हमारे खजाने में आ गया है।'

बादशाह खजांची की इस बात पर बोले, 'ठीक है, किसी का पैसा खजाने में आ गया होगा। लेकिन यह काम तो तुम कल सुबह भी कर सकते हो। अभी तो बहुत रात हो गई है। काम बंद करो और अपने घर जाकर आराम करो।' इस पर खजांची ने जवाब दिया, 'आप ठीक कह रहे हैं। यह काम मैं कल भी कर सकता हूं। मगर जिसके पैसे हमारे पास आ गए हैं वह आदमी तो बेहद परेशान हो रहा होगा, फिर वह मन ही मन बद्दुआ भी दे रहा होगा। मैं नहीं चाहता कि उसकी बद्दुआ हुकूमत को लगे। इसलिए मैं अभी हिसाब साफ करना चाहता हूं ताकि उस शख्स को सुबह होते ही पैसे लौटा सकूं। मैं नहीं चाहता कि कोई यह समझे कि यहां किसी भी मामले में कार्रवाई देर से होती है।' बादशाह खजांची की बात सुनकर अत्यंत प्रसन्न हुए और बोले, 'जिस राज्य में तुम जैसा वफादार व ईमानदार खजांची हो उसे तरक्की की ओर जाने से कोई नहीं रोक सकता।' बादशाह खजांची की पीठ थपथपाकर लौट गए।

JALSA @ THE ASHOK

मैच नहीं यह युद्ध है!
लाइव टेलिकास्ट

यह दूरदर्शन दिल्ली है
अब हम आपको शिवाजी पार्क ले जाएंगे
वहाँ पति और पत्नियों के बीच
खेले जा रहे हाकी मैच का
आंखों देखा हाल सुनाएंगे
ओवर टू शिवाजी पार्क
वहाँ से बोलते हुए मैं राजकुमार
आप सब का स्वागत करता हूँ
और इस मैच की विशेषताओं से
अवगत कराता हूँ .....
यह मैच बिना ऊँच-नीच
खेला जा रहा है
पति और पत्नियों के बीच
हमारे इन भारतीय खिलाड़ियों की
जगत-भर में तूती बोलती है
पर देखते हैं आज
अपनी पत्नियों के आगे
इनकी कितनी चलती है
महिलाओं का पुरुषों को चैलेंज
पौरुष के विरुद्ध है
यह खेल नहीं, एक युद्ध है
खौफनाक
न्यूक्लियर बम से भी खतरनाक
ऐसे में जहाँ तक
पुरुषों का संबंध है
उनकी सुरक्षा का पूरा प्रबन्ध है
महिला पुलिस के द्वारा
सारा पार्क खचाखच भरा है
और अभी-अभी हमें पता चला है
महिला कप्तान का नाम रत्नी है
वह पुरुष कप्तान की धर्मपत्नी है
बॉल सेंटर में पड़ी है
दोनों टीमें आमने-सामने खड़ी हैं
फारवर्ड में खड़ी पांच महिलाएं
बतिया रही हैं
अपने आपको
पुरुषों से फारवर्ड बता रही हैं
हाफ में खड़ी तीन महिलाएं
अपने हाफ स्वेटरों की
बुनाइयाँ कर रही हैं
तो बैक में खड़ी दो महिलाएं
अपने-अपने पड़ोसियों की
बुराइयां कर रही हैं
लेफ्ट विंग में महिला
अपने पति को बकअप कर रही है
और गोल-कीपर अपना मेकअप कर रही है
पुरुषों की टीम की
आज निराली अदा है
वे सब बेलन से खेलेंगे
क्योंकि उन सब का हाथ
बेलन पर ज्यादा सधा है
दोनों पति-पत्नी
पहली बार
बुली के लिए तैयार
अम्पायर ने घड़ी मिलाई
जोर से सीटी बजाई
एक.....दो.....तीन
पूरे नहीं हुए तीन
कि पत्नी की हॉकी
पति के बेलन में उलझ गई
गेंद तो बीच में ही अटक गई
दोनों जोर आजमां रहे हैं
बॉल को पाना चाह रहे हैं
अम्पायर को स्थिति बिगड़ती नज़र आई
उसने जोर से सीटी बजाई
पत्नी पर जोर आजमाने के जुर्म में
पति को रेड कार्ड दिखाया
पति ने बिना प्रोटेस्ट किए सर झुकाया
और यह फ्री हिट महिलाओं को
खेल फिर जारी.....
फुल बैक ने शॉट मारी
पुरुष कप्तान के हाथ बॉल पड़ी
महिला कप्तान से यह देखा न गया
वह गुस्से में,
अपने पति से उलझ पड़ी
पता नहीं फिर क्या हुआ
वह मुंह के बल गिर पड़ी
पति गोल की तरफ भागा
और जोर से एक शॉट दागा
और..... यह गोल.....
गूंज उठा माहौल.....
महिला कप्तान अपना पांव पकड़कर
हाय हाय कर रही है
इस गोल के खिलाफ
प्रोटेस्ट कर रही है
पुरुष कप्तान थोड़ी दूर पर खड़ा है
उसका सर झुका हुआ है
सारी महिलाएं पति के इस
जुल्म के खिलाफ आवाज़ उठा रही हैं
नारी एकता के नारे लगा रही हैं
इन्कलाब के इस नारे से
घायल पत्नी भड़क गई
पति को देखते ही
उसकी भुजाएं फड़क गईं
पत्नी का रौद्र रुप देख
पति कांपने लगा
पति आगे-आगे
पत्नी पीछे-पीछे
पति की टांग पत्नी के हाथ
नहीं आ रही है
सारी जनता पति की बहादुरी पर
तालियां बजा रही है
पति-पत्नियों में जंग छिड़ चुकी है
मैदान में हंगामा मच चुका है
पत्नियां पति-विरोधी नारे लगा रही हैं
पतियों को मैदान से बाहर
भगा रही हैं
पति बेचारा सोच रहा है कि
उसने यह गोल ही क्यों किया
बेकार ही झगड़ा मोल ले लिया
पति-दल का हौंसला
खत्म होता जा रहा है
मैदान खाली होता जा रहा है
ईश्वर ही जाने आगे क्या होगा
लेकिन दुख के साथ
यह कहना पड़ रहा है कि
यह मैच अब न होगा
हमें चिन्ता है उन पतियों की
जो जल्दी ही घबरा गए
अपनी पत्नियों से
बिना सोचे-समझे ही टकरा गए
आप सोच सकते हैं
इन पतियों पर क्या
विपत्ति आ सकती है
घर जा कर, जो इनकी दुर्गति होगी
उसकी केवल
कल्पना ही की जा सकती है
आओ, हम सब प्रार्थना करें
भगवान इन सब की रक्षा करें
लेकिन यह हमेशा ध्यान रहे
केवल उन्हीं पतियों की
यह दुर्दशा होती है
जो अपनी पत्नियों से आगे चलते हैं
इन्हीं शब्दों के साथ हम आपको
स्टूडियो वापस लिए चलते हैं।

राजकुमार शर्मा
विशेष कार्य अधिकारी-
निदेशक (सी एंड एम)

कसम

आज फिर
बहुत दिनों के बाद, ब्योम-मन पर
इच्छाओं के बादल उमड़े हैं।

वर्षा होगी तृषित धरती पर
भर जाएंगे नदी, नाले, पोखर
हरी फसल उग आएगी मेरी
सूनी आंखों में

माथे के तमाम गलियारे में
भरा जाता है तेरी सोच का पानी
चाहे घट के अन्दर तक ही क्यों न भर जाए
ये, मैं रोकूंगा नहीं.....

क्योंकि
बहुत दिनों बाद, सूखे और वीराने में
आई है वर्षा की बहार !

तेरे आगमन का स्वागत है।
संतप्त मन पर ओस के कण
बिखर जाएंगे प्रहर रात्रि

यह भी सम्भव है कि रात के सन्नाटे में
तुम्हारी रिमझिम-सी पायल कोई
नृत्य छेड़ दे
और मन के बादल ढोल बजा उठें।

तब सच कहता हूँ
मेरे आंगन में रखे गमलों के पत्ते
खुशी से सिहर उठेंगे !

पत्तों की सिहरन और मन की
धड़कन की तुम्हें कसम है
आज फिर तुम जल्दी मत जाना !

माम चन्द 'सागर'
वरिष्ठ बिक्री सहायक, प्रशासन विभाग

चटनी का स्वाद

बात उस समय की है, जब देश का स्वाधीनता संग्राम अपने चरम पर था। गांधी जी के आह्वान पर देश के हर वर्ग के लोग उनके साथ आगे आए। इनमें कई राजा-महाराजा भी थे। एक दिन काशी के महाराज गांधी जी के आश्रम आए और उन्होंने गांधी जी से कहा, ''बापू! मैं भी राष्ट्रीय आंदोलन में शामिल होना चाहता हूँ।'' गांधी जी खुश हुए। उन्होंने कहा, ''यह तो बहुत अच्छी बात है। आप जैसे राजा लोग यदि आगे आएंगे, तो उनके साथ प्रजा भी आगे आएगी। एक राजा अपने साथ लाखों लोगों को साथ लेकर आएगा।''

भोजन के समय गांधी जी ने महाराज को भी साथ खाने को कहा। आश्रम का सादा भोजन सबके लिए परोसा गया, राजा के लिए भी। लेकिन राजा की थाली में एक चीज नहीं दी गई, जो गांधी जी की थाली में थी। वह थी एक चटनी। गांधी जी उस चटनी को बड़े मजे ले-ले कर खा रहे थे।

जब महाराज ने यह देखा तो वे पूछ बैठे, ''यह चटनी मुझे नहीं दी गई?'' गांधी जी बोले, ''आपको भी चटनी चाहिए?'' उन्होंने एक चम्मच चटनी महाराज की थाली में डाल दी। महाराज ने स्वाद लेने की अधीरता में ढेर सारी चटनी को एक बार में ही मुंह में भर लिया। मुंह में चटनी के जाते ही उनके मुंह का स्वाद बिगड़ने लगा। उन्हें अब न तो निगलते बन रहा था और न ही उगलते। उन्होंने पूछा, ''बापू ये चटनी तो बहुत कड़वी है। नीम की है क्या ?''

बापू ने कहा, ''हां नीम की ही है। मैं तो सालों से इसे खा रहा हूँ। आप भी अगर अपने मुंह का स्वाद नहीं बदलेंगे, तो आंदोलन के कष्ट को कैसे भोग सकेंगे।''

महाराज बापू के कहे का आशय समझ चुके थे। मन को कड़ा कर वे भी चटनी के स्वाद का आनंद लेने लगे।

अशोक होटल विजयी

एक माह तक चले स्वास्तिक कप क्रिकेट टूर्नामेन्ट के क्वॉटर फाइनल मैच को जीतने के बाद यह लगने लगा कि फाइनल मैच जीतने का अवसर है, किन्तु टूर्नामेन्ट के आयोजक के साथ फाइनल मैच होना था। आयोजकों ने तीन खिलाड़ी अण्डर 19 खेले हुए एवं दो भारतीय टीम के खिलाड़ी सहवाग के साथ खेले हुए, खिलाड़ियों को मैच में खिला कर 20 ओवरों में 183 रनों का लक्ष्य अशोक टीम को दिया, किन्तु अशोक होटल के सभी खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए 167 रन बनाए, जिसमें अशोक होटल को रनर अप कप ही मिल पाया। अशोक होटल टीम ने विभिन्न टीमों से चार मैच जीते, जिसमें सभी मैचों में कई व्यक्तिगत कप भी आए, जो निम्न प्रकार हैं:-

बैस्ट ऑल राउन्डर	श्री धर्मेन्द्र भारद्वाज (कैप्टन)
बैस्ट बॉलर	श्री धर्मेन्द्र भारद्वाज (कैप्टन)
मैन ऑफ द मैच	श्री गजेन्द्र
मैन ऑफ द मैच	श्री अशोक बरुआ

अशोकन परिवार की ओर से अशोक क्रिकेट क्लब को ढेर सारी शुभकामनाएं।

सितारे जमीं पे...

नए वर्ष 2013 की शुरुआत अशोक होटल ने बड़े अच्छे ढंग से की। ''दि अशोक स्पोर्ट्स एवं कल्चरल विंग'' ने अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच एक 20-20 ओवरों का क्रिकेट मैच आयोजित किया, जिसमें होटल के सभी सितारे जैसे जी एम अशोक, आर एम, मैनेजर F&B, चीफ सुरक्षा अधिकारी, चीफ हाउस कीपिंग के साथ ही अन्य अधिकारी सितारे ''सीरी फोर्ट स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स'' के क्रिकेट ग्राउंड पर खूबसूरत सफेद क्रिकेट किट में क्रिकेट खेलते देखे गए।

टॉस जीत कर तारों (कर्मचारी) की टीम ने पहले बैटिंग का निर्णय लिया एवं 20 ओवरों में 157 रनों का लक्ष्य दिया। सितारों (अधिकारी) की टीम ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 97 रन बनाए। इसके बाद पुरस्कार वितरण हुआ, जिसमें दोनों टीमों के कैप्टन को कप प्रदान किए गए। 'मैन ऑफ द मैच' का पुरस्कार श्री अनमोल जुत्शी को मिला। सभी अधिकारियों ने दि अशोक स्पोर्ट्स एवं कल्चरल विंग के इस नए प्रयोग पर अध्यक्ष को धन्यवाद दिया एवं समय-समय पर इस तरह के आयोजन करते रहने की सलाह एवं प्रेरणा दी।

अशोक परिवार का सलाम

15 दिसम्बर, 2012 को दिल्ली के जवाहर लाल नेहरु स्टेडियम में आयोजित ''दिल्ली स्टेट वेटरन एथलीट चैम्पियनशिप'' में सैंकड़ों एथलीटों ने हिस्सा लिया। पूरे दिल्ली प्रदेश से आए एथलीटों की प्रतिस्पर्धा में अशोकन परिवार का भी एक सदस्य था। पूरे स्टेडियम में भिन्न-भिन्न रंगों के ट्रेक सूटों में सजे-संवरे खिलाड़ियों के बीच साधारण शक्ल सूरत का एक धावक अपनी साधारण-सी वेशभूषा में दौड़ शुरु होने का इन्तजार कर रहा था। 1500 मी. की दौड़ शुरु होते ही कई धावकों ने बढ़त बना रखी थी किन्तु दौड़ के अन्तिम राउन्ड में अशोकन परिवार का सर ऊंचा करने के लिए और नाम रोशन करने के लिए अपने शरीर की सारी उर्जा उसने लगा दी और स्वर्ण पदक पर कब्जा किया।

इसके बाद दूसरी दौड़ 800 मी. की थी, दौड़ शुरु होने और खत्म होने के बीच कई बार कई धावक आगे-पीछे होते रहे, जब दौड़ खत्म होने में केवल 100 मी. ही बचे, तब प्रतिस्पर्धा में दो धावक अशोकन सदस्य से आगे चल रहे थे, तभी अशोकन परिवार के सदस्य ने पलक झपकते ही उनकी बराबरी की और 5 से 10 मी. की दूरी का लक्ष्य पूरा कर स्वर्ण पदक पर कब्जा किया।

इस प्रतिस्पर्धा में अशोकन परिवार का नाम ऊंचा करते हुए श्री विक्रम शेखावत जोकि मेन्टीनेन्स विभाग में कार्यरत हैं, ऐसे मेधावी, मेहनती, लगन के पक्के धावक को मेरा सलाम। अशोक होटल का नाम ऊंचा करने के लिए अशोकन परिवार उनको हार्दिक बधाई देता है एवं उम्मीद करता है कि इसी प्रकार भविष्य में भी अशोक होटल का नाम ऊंचा करते रहेंगे।

श्री विक्रम शेखावत ने 1500 मी. एवं 800 मी. दौड़ में गोल्ड मैडल और 400 मी. दौड़ में ब्रोंज मैडल प्राप्त किए।

श्री विक्रम शेखावत ने इससे पहले भी कई मैराथन दौड़ों में हिस्सा लिया है एवं रैंकिंग पाई हैं।

ज्ञान प्रकाश पाण्डे
अध्यक्ष, दि अशोक स्पोर्ट्स
एवं कल्चरल विंग, दि अशोक

माँ की पवित्र ज्योति

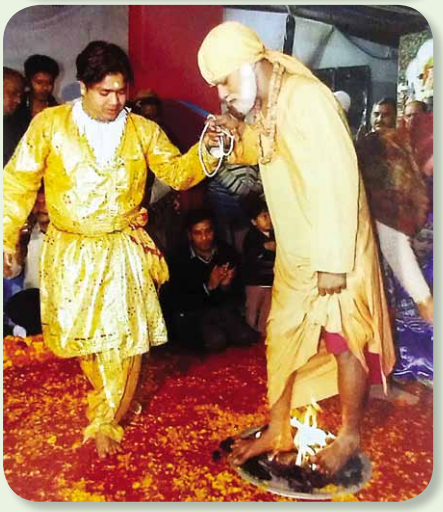

28 वर्ष पहले अशोक होटल सेवा समिति के संस्थापक माननीय श्री एम. एस. कपूर द्वारा माँ भगवती का प्रथम विशाल जागरण कराया गया और वह इसलिए किया गया क्योंकि उस समय अशोक होटल के स्टाफ के ऊपर दुःखों के संकट छाए हुए थे– आए दिन कोई न कोई दुर्घटना, कर्मचारी का निधन अथवा उसके परिवार के सदस्यों की दुखद सूचनाएँ मिलती रहती थीं। उस समय कुछ कर्मचारियों ने मिलकर यह निर्णय लिया कि अशोक होटल में कोई धार्मिक अनुष्ठान किया जाए, जिससे अशोक होटल में सुख–समृद्धि व शान्ति आए। उस समय माननीय एम. एस. कपूर अपनी आई. टी. डी. सी. का एक रेस्टोरेन्ट जम्मू एण्ड कश्मीर में स्थित कटरा में माता के भवन पर चलाया करते थे जिसके इंचार्ज एम. एस. कपूर थे। माँ भगवती की भक्ति करने के कारण उन्होंने अशोक होटल में प्रथम विशाल माँ भगवती जागरण सभी अधिकारियों व कर्मचारियों के सहयोग से कराया। तब से लेकर आज तक हर वर्ष माँ भगवती की ज्योति का प्रकाश किया जाता है और एक अखण्ड पवित्र ज्योति माँ भगवती के अशोक होटल स्थित मन्दिर में 24 घन्टे पिछले कई वर्षों से लगातार जल रही है। अशोक होटल का स्टाफ आते–जाते हमेशा माँ की पवित्र ज्योति के दर्शन करता है और अशोक होटल की सुख–समृद्धि व शान्ति के लिए प्रार्थना करता है और हर वर्ष होने वाले जागरण एवं भण्डारे में सहयोग कर इस धार्मिक अनुष्ठान को करने में सहायता करता है।

पिछले वर्षों की भांति इस वर्ष भी अशोक होटल सेवा समिति, चाणक्यपुरी, दिल्ली द्वारा 28वें विशाल भगवती जागरण चौकी का आयोजन किया गया, जिसमें प्रबन्धक वर्ग तथा कर्मचारी वर्ग दोनों ने भाग लिया तथा मिलकर माँ भगवती की ज्योति प्रचण्ड की गई।

सेवा समिति की कार्यकारणी को इस कार्य के लिए धन्यवाद भी दिया गया और अशोक होटल के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। अशोक होटल सेवा समिति की कार्यकारिणी के सदस्य श्री प्रदीप कुमार (प्रधान), दलजीत सिंह, एम. सी. कपूर (उप प्रधान), जितेन्द्र सिंह तोमर (सेक्रेटरी), एम. एल. शर्मा (असि. सेक्रेटरी), भगवान दास (कैशियर), विनय शर्मा (असि. कैशियर), योगेन्द्र मेहरा, चाँद राम (कल्चरल सेक्रेटरी), नरेश कुमार, रमेश कुमार, नवीन माथुर (प्रचार सेक्रेटरी), मनोज मदान, अशोक कुमार (ऑरगेनाइजिंग सेक्रेटरी), नरेश कुमार (ऑडिटर) इस अवसर पर उपस्थित रहते हैं और इस उदेश्य से सेवा करते हैं कि हमारा अशोक होटल एवं उसमें कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों का परिवार सुख–समृद्धि व शान्ति से परिपूर्ण हो तथा उन्नति की ओर अग्रसर रहें। माँ भगवती हमेशा सभी पर अपनी कृपा बनाए रखें और अशोक होटल व आई. टी. डी. सी. पर आने वाली विपत्तियों और बाधाओं को दूर करें।

इसलिए किसी भक्त ने कहा है कि

तेरी ज्योति से नूर मिलता है,
गमे दिल को सरूर मिलता है।
तेरे दर पर यूँ ही नहीं झुकते माँ,
तेरे दर पर आने वाले को
कुछ ना कुछ जरूर मिलता है।।

जितेन्द्र सिंह तोमर
सेक्रेटरी, अशोक होटल सेवा समिति

प्रेरक-प्रसंग

गुरु और शिष्य

एक गुरुकुल में शिक्षा पा रहे एक राजकुमार ने अपने गुरु से कहा, ''मैं पेड़ पर चढ़ना नहीं जानता। मुझे लगता है कि मैं पेड़ पर चढ़ने की कोशिश करूंगा, तो गिर जाऊंगा।'' इस पर गुरु बोले, ''वृक्ष पर चढ़ना जानने वालों को मैंने गिरते देखा है, पर चढ़ना नहीं जानने वालों को कभी गिरते नहीं देखा। तुम निश्चिंत होकर चढ़ो।'' गुरु ने राजकुमार को एक बड़े पेड़ पर चढ़ने को कहा। उन्होंने कहा, ''तुम्हें आखिरी सिरे तक चढ़ना है।'' राजकुमार संभल–संभल कर चढ़ने लगा। उसे आशा थी कि गुरुजी उसे चढ़ने में सहायता करेंगे और कोई निर्देश देंगे पर वे चुप थे। राजकुमार सावधानीपूर्वक पेड़ पर चढ़ गया। जब वह उतरने लगा तो अचानक गुरुजी जोर से बोले, ''संभलकर उतरना।'' वह थोड़ी–थोड़ी देर बाद उसे कुछ–न–कुछ निर्देश देते रहे। राजकुमार आश्चर्य में पड़ गया। उसे समझ में ही नहीं आ रहा था कि चढ़ते समय, जब उसे वाकई निर्देशों की जरूरत थी तब तो गुरुदेव ने कुछ नहीं कहा पर उतरते समय मार्गदर्शन करने लगे, जिसकी वास्तव में कोई जरूरत ही नहीं थी। राजकुमार से रहा नहीं गया। उसने उतरकर अपनी जिज्ञासा व्यक्त कर दी। गुरु ने मुस्कुराते हुए कहा, ''पेड़ पर चढ़ते समय तुम स्वयं ही सावधान थे, इसलिए मैंने कुछ कहने की आवश्यकता नहीं समझी। लेकिन वृक्ष पर चढ़ जाने के बाद तुम निश्चिंत हो गए। इसलिए मैंने सावधान किया। जीवन में ऐसा ही होता है। शिखर पर पहुंचकर लोग अति–आत्मविश्वास का शिकार हो जाते हैं, इसलिए विनम्रता नहीं छोड़नी चाहिए।''

Hotel Kalinga Ashok

The temple city Bhubaneswar presents a glimpse into 2500 years of history. The Ashok Group's Hotel Kalinga Ashok complements this ancient city. The Hotel is a gracious blend of traditional courtesy and modern facilities with an ambience that include Odisha handicrafts, handlooms and cuisine to create the complete Odishan experience.

Location:	4 km from Airport, 1 km from Railway Station, 30 km from Cuttack and 65 km from Puri.
Accommodation:	32 Rooms and 4 Suites, all air-conditioned.
F&B Outlets:	**Phulbani** Continental, Chinese & Indian Cuisine
Convention & Banquets:	**Utsav** – Seats 150 (Theatre Style); **Konark** – Seats 350 (Theatre Style); **Lawns** with a total spread of 40,000+ sq. ft. spread in three different locations – for Receptions and Parties
Amenities:	Wi-Fi Internet Connectivity, Doctor on Call, Laundry, Money Changer, Parking Facilities. Major Credit Cards accepted.

Address
Gautam Nagar, Bhubaneswar 751014 Odisha INDIA
Tel: +91-674-2431055-56 **Fax:** +91-674-2432001
E-mail: hotelkalingaashok@gmail.com
manager@hotelkalingaashok.com
Website: www.hotelkalingaashok.com
www.theashokgroup.com